



#### REPORT

### Maharaja Agrasen Institute of Management Studies

#### **Organizes**

One Day National Webinar on Gender-Based Violence in Digital Space

**November 6, 2020** 

Conducted in collaboration with

The National Commission for Women (NCW)



# Maharaja Agrasen Technical Education Society (MATES), New Delhi

#### Dr. Nand Kishore Garg Founder & Chief Advisor, MATES Chancellor, Maharaja Agrasen University, Baddi, HP



	, ,	37	1數是完別經濟經濟經濟經濟 <i>體與別面是經濟</i>	
Chairman		Executive Chairman		
Sh. Vineet Kumar Gupta		Sh. S.P.Aggarwal, IAS		
Sr. Vice Chairman				
Sh. Manoj Singhal				
Vice Chairmen				
Sh. Sunder Lal Goel		Sh. Jagdish Mittal	Sh. Jagdish Mittal	
Er. R. K. Gupta		Prof. (Dr.) M. L. Goya	Prof. (Dr.) M. L. Goyal (Academics)	
Sh. S. P. Goel		Er. S. C. Tayal		
Sh. Umesh Kumar Gupta				
General Secretary		Joint General Secretar	ry	
Er. T.R. Garg		Sh. Mohan Garg		
Treasurer		Co-Treasurer		
Sh. O. P. Goel		Sh. Anand Kumar Gu	pta	
Secretaries				
Sh. Satish Garg		Sh. Madan Mohan Goel		
Sh.Gian Chand Aggarwal		Sh. Rajnish Gupta		
Ms. Sangeeta Gupta		Sh. Avinash Aggarwal		
Sh. Nitin Gupta				
Chief Executive				
Sh. Gyanendra Srivastava	n, IAS			
Advisors				
Prof. (Dr.) Muneesh Kumar		Prof. (Dr.) I. M. Kapa	hi	
Prof. (Dr.) G. P. Govil		Prof. (Dr.) N. K. Kakkar		
Maharaja Agrasen Institute of Management Studies	Maharaja Agrasen Institute of Technology	Maharaja Agrasen University	Maharaja Agrasen Global School	
MAIMS "de odg absor"	ार्थ के ब्राह्म के किया कि स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य	Section Section	9	
Prof. (Dr.) S. K. Garg- Director General	Prof. (Dr.) Neelam Sharma- Director	Prof. (Dr.) R. K. Gupta- Vice Chancellor	Sh. B. L. Mahajan- Director	
Prof. (Dr.) Ravi Kumar Gupta- Director	Prof. (Dr.) S. S. Deswal- Dean (Academics)	Sh. Suresh Gupta- Project Director	Sh. J R Mani Tripathi CAO (Accounts)	





#### **REPORT**

#### **Maharaja Agrasen Institute of Management Studies**

#### **Organizes**

One Day National Webinar on Gender-Based Violence in Digital Space

**November 6, 2020** 

Conducted in collaboration with

The National Commission for Women (NCW)

#### MAHARAJA AGRASEN INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES



# IN ASSOCIATION WITH NATIONAL COMMISSION FOR WOMEN CORDIALLY INVITES YOU TO THE WEBINAR



#### GENDER BASED VIOLENCE IN DIGITAL SPACE



DR. NAND KISHORE GARG FOUNDER AND CHIEF ADVISOR, MATES



HON. JUSTICE MANJU GOEL FORMER JUDGE HIGH COURT OF DELHI



PROF.(DR.) S.K.GARG DIRECTOR GENERAL, MAIMS

CHIEF GUEST, INAUGURAL SESSION



MS. VANDANA GUPTA
DEPUTY DIRECTOR GENERAL
DEPARTMENT OF
TELECOMMUNICATION
CHIEF GUEST, VALEDICTORY SESSION

#### **SPEAKERS**



DR. PAVAN DUGGAL
CYBER EXPERT & ADVOCATE
SUPREME COURT OF INDIA



PROF. DEBARATI HALDER
UNITED WORLD SCHOOL OF LAW,
KARNAWATI UNIVERSITY,
AHEMDABAD



DR. KARNIKA SETH CYBER LAWYER AND CYBER EXPERT



ADV. MANISHA AGRAWAL DR
CYBER EXPERT & ADVOCATE,
SUPREME COURT OF INDIA



DR. ANURAG DEEP ASSOCIATE PROFESSOR, INDIAN LAW INSTITUTE,

6<sup>TH</sup> NOVEMBER 2020, 11 AM ONWARDS

PROF.(DR.) RAVI KUMAR GUPTA
DIRECTOR, MAIMS

क विषय पर र बनाकर उसे

सकते हैं। ग्रुप

विविध

### राष्ट्रीय महिला आयोग और महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित वेबिनार में साइबर विशेषज्ञों ने कहा

# हिलाओं के प्रति बढ़ती साइबर हिंसा पर ल

गुड़गांव दुडे, नई दिल्ली

095 तथा ग्रुप राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग 1723 नंबर पर से महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट ऑफ वनाकर भेज मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा महिलाओं । कि सभी एंट्री के विरुद्ध साइवर हिंसा पर एक र स्वीकार की दिवसीय वैविनार का आयोजन र को परिणाम किया गया। 'साइवर वायलेंस उन्होंने बताया अगेंस्ट वीमेन इन डिजिटल स्पेस' ततीय तथा दो विषय पर आयोजित इस वेबिनार में जाएंगे साथ देशभर से साइबर क्राइम विशेषज्ञों ने । जाएगा। इस अपने विचार व्यक्त किये और लोगों रूपलाइन नंबर को साइबर हिंसा के विभिन्न रूपों, । संपर्क किया - उनसे निबटने, सतर्क रहने और गदव ने बताबा कानुनों के बारे में जानकारी दी।

वेबिनार के उद्घाटन सत्र को म से कम दो मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित एपर ऑकत करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट की पूर्व नंबर पर भेजें न्यायाधीश , जस्टिस मंजू गोयल से संपर्क किया ने कहा, महिलाओं के प्रति साइवर हिंसा के अपराधियों से निबटने के



इन्हें दंह सामाजिक स्तर पर दंह देना

आवस्यक है। अध्यक्षीय उद्योधन में

संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष और

मुख्य सलाहकार डॉ. नन्द किशोर

गर्ग ने कहा कि ऐसे अपराधियों के

प्रति थोडी सी ढिलाई उनके हाँसलों

संस्थान के महानिदेशक प्रो. एसके





लिए केवल कानूनी तौर पर नहीं है, एक्सपर्ट्स की भूमिका पर वल हो कि आपके द्वारा शेवर की गई दिया। प्रो. ज्ञान प्रकाश गोविल ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इन्हें रोकने के लिए विशेष रणनीति बनाने की बात कही। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त जाने माने साइबर एक्सपर्ट हा. पवन दुग्गल को बढ़ाना है। स्वागत संबोधन में ने डिजिटल इंटीग्रेटी बनाये रखने, साइवर स्टाकिंग, वृत्तिंग, मोर्फिंग, गर्ग ने इन अपराधों से निबटने पोर्नोग्राफी और ऑनलाइन एव्युज के लिए पुलिस फोर्स में साइवर से निवटने के लिए कड़े कानून और

पर बल दिया। दूरसंचार विभाग में उप महानिदेशक वंदना गुप्ता ने साइबर क्राइम के भयावह रूप का उल्लेख किया।

मनीषा अग्रवाल ने सीशल मीडिया के इस्तेमाल में बेहद सावधान रहने की बात कही और चेताया कि कहीं ऐसा न

जानकारी को आपके ही खिलाफ साइबर अपराधियों का घातक हथियार बन जाए। इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुराग दीप का कहना था कि साइवर कानुनों के प्रति जागरूकता होना सबसे पहली जरूरत है। साइबर विशेषज्ञ और युनाइटेड वर्ल्ड स्कुल, अहमदाबाद की प्रो. देवारती हलधर ने साइबर क्राइम के विभिन्न तो मैं भी लब खोलूँगी।

रोबस्ट मैंकेनिज्य बनाए जाने कपों की विस्तार से चर्चा करते हुए समाज की सोच बदलने और लोगों के दिल में कानून के प्रति भरोसा जागने की बात कही। साइबर लॉबर हा, कर्णिका सेठ ने महिलाओं के सुप्रीम कोर्ट में वकील प्रति साइवर क्राइम से निवटने में आने वाली कानूनी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। वेविनार के समापन

पर संस्थान के निदेशक प्रो. रवि कुमार गुप्ता ने सभी वक्ताओं का धन्यबाद ज्ञापन करते हुए इस विषय पर और गहन चर्चा पर बल दिया। वेविनार की संयोजिका हा, विनीता गुप्ता ने अपनी गुजल की पॅक्तियों में महिलाओं से अपने प्रति हो रहे अपराधों पर चुप्पी तोडने का आह्वन

प्रवल ज्वर अब उमझ है , अपने तटबंध संभालो तम

अब तक थी खामोश मगर अब

### हज यात्रा व आवेदन आ

गुड़गांव टुडे, चण्डीग राज्य इज कमेटी ने व हज यात्रा करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए करने की अंतिम तिथि 2020 है। निर्धारित द साथ आवेदन अखि हज कमेटी की वेबस hajcmmittee.gov.in. 97 सकते हैं।

हरियाणा राज्य ह चण्डीगढ़ के कार्यकार सुभानद्वीन भट्टी कहा वि आनलाईन आवेदन कर अखिल भारतीय हज दिशा निर्देशों को साव पहने के बाद ही अपनी अनुसार यात्रा आरंभ क का चुनाव करें। एक व विकल्पों को बाद में अनुमति नहीं होगी। ठहरने की व्यवस्था हवा निर्भर होगी।

## मरोड़ा गांव में दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे में कट देने के लिए महिलाओं व युवाओं की भूख हड़ताल आज

में पानी छोड़ा जा चका है। जिससे

आसपास के गांव से जुड़ेंगे सैकड़ों लोग

हाईवे बनाय जा रहा है लेकिन मेवात जिले के बीचो-बीच इसमें कर नहीं दिया जा रहा। इसका हमें क्या फावटा शनिवार को १०५ कोविड पॉर्जि हुए ठीक, 108 नए पॉजिटिव रि



### MAHARAJA AGRASEN INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES



Affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University
Maharaja Agrasen Chowk, Sector-22,Rohini, Delhi-110086, India
www.maims.ac.in
(Under the Aegis of IQAC)

### Organises

ONE DAYWEBINARION

# GENDER BASED WOLLNESS OF THE STATE OF THE SERVICE OF THE SERVICE

FRIDAY, 6TH NOVEMBER, 2020 TIMING- 11:00 A.M. TO 05:35 P.M.

Sponsored by
National Commission for Women
NCW





# Maharaja Agrasen Technical Education Society (MATES)





The state of the s				
Chairman		Executive Chairman		
Sh. Vineet Kumar Gupta		Sh. S.P.Aggarwal, IAS		
Sr. Vice Chairman				
Sh. Manoj Singhal				
Vice Chairmen				
Sh. Sunder Lal Goel		Sh. Kailash Chand Bansal		
Er. R. K. Gupta		Sh. Jagdish Mittal		
Sh. S. P. Goel		Prof. (Dr.) M. L. Goyal (Academics)		
Sh. Umesh Kumar Gup	ta	Er. S. C. Tayal		
General Secretary		Joint General Secretary		
Er. T.R. Garg		Sh. Mohan Garg		
Treasurer		Co-Treasurer		
Sh. O. P. Goel		Sh. Anand Kumar G	upta	
Chief Executive				
Sh. Gyanendra Srivasta	va, IAS			
Secretaries				
Sh. Satish Garg		Sh. Madan Mohan Goel		
Sh.Gian Chand Aggarw	al	Sh. Rajnish Gupta		
Ms. Sangeeta Gupta		Sh. Avinash Aggarwal		
Sh. Nitin Gupta				
Advisors				
Prof. (Dr.) Muneesh Kumar		Prof. (Dr.) I. M. Kap		
Prof. (Dr.) G. P. Govil		Prof. (Dr.) N. K. Kak		
Maharaja Agrasen	Maharaja Agrasen	Maharaja Agrasen	Maharaja Agrasen	
Institute of	Institute of	University	Global School	
Management Studies	Technology	AGRASEA		
MAIMS "योगः कर्मसु कौशळम्"	MA T उद्यमेन हि सिच्यन्ति कार्याणि न मनोरथै:	Spark The Change		
Prof. (Dr.) S. K. Garg- Director General Prof. (Dr.) Neelam Sharma- Director		Prof. (Dr.) R. K. Gupta- Vice Chancellor	Sh. B. L. Mahajan- Director	
Prof. (Dr.) Ravi Kumar Gupta- Director	Prof. (Dr.) S. S. Deswal- Dean (Academics)	Sh. Suresh Gupta- Project In-charge	Sh. J R Mani Tripathi CAO (Accounts)	

# OBJECTIVE OF THE WEBINAR

The proposed webinar will present the issues pertaining to Genderbased violence in Digital Space. It will explore the

- The Evolution of internet and its consequences on women in digital space
- Understanding of Genderbased Violence and its various
- Cyber Crime and Administration of justice
- Overview of Cyber law in India
- Challenges for law and law enforcement in ensuring access to justice for victims of genderbased cyber violence.

The webinar will adopt an interdisciplinary approach to generate information amongst different stakeholders such as researchers, women's rights, lawyers, and students from a range of disciplines: Law, Management, Journalism, Psychology, Sociology and so on.

Maharaja Agrasen Institute Management Studies (MAIMS) is an ambitious initiative of Maharaja Agrasen Technical Education Society. Society The has promoted by a group of eminent industrialists, businessmen, professionals and philanthropists to promote quality education in the area of technology, management, journalism, economics MAIMS, affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University, Delhi, was established in the year of 2003 to impart high quality education and to develop it into a premier centre of excellence by developing young and enterprising youth into promising professionals. MAIMS emphasizes to develop a value based personality among the students. MAIMS has been running BBA, B.Com (H), BA LLB, BBA LL.B, B BA(JMC) B.A. Economics (H) programmes.

# ABOUT NOW

### National Commission for Women

The National Commission for Women was setup as a statutory body in January, 1992 under NCW Act 1990. The objective of the NCW is to represent the rights of women in India and to provide a voice for their issues and concerns. The subjects of their campaigns have included dowry, politics, religion, equal representation for women in jobs, and the exploitation of women for labour. They have also discussed police abuses against women.

#### CHIEF CUESTS



Hon'ble Justice Manju Goel



Ms Vandana Gupta Deputy Director General, Department o Telecommunication

#### RESOURCE PERSONS



Dr. Pavan Duggal Advocate, Cyber Expert Supreme Court of India



Dr. Karnika Seth Cyber Lawyer & Cyber Expert



Prof. (Dr.) Debarati Halder United World School of Law Karnawati University, Ahemdabad



Dr. Anurag Deep Associate Professor Indian Law Institute, New Delhi



Ms. Manisha Agarwa Advocate, Cyber Expert Supreme Court of India

# 

	Herita ekokoenen ili biri berakerta			
Program Schedule				
6 <sup>th</sup> November 2020 (Friday) 11:00 AM – 5:25 PM				
Time	Inaugural Session of the	Inaugural Session of the Webinar		
11:00 AM -11:05 AM	Saraswati Vanda	na		
11:05 AM -11:10 AM	Welcome Address: Prof (Dr.) S.K. Garg,	Director General, MAIMS		
11:10 AM - 11:15 AM	Introductory Address: Prof. (Dr.) G.P.	Govil, Advisor, MATES		
11:15 AM - 11:20 AM	Introduction of Theme of the Webinar - Dr. S Law, MAIMS	haveta Gagneja, Department of		
11:20 AM - 11:50 AM	Address: Chief Guest Manju Goel, Former	Judge, High Court of Delhi		
11:50 AM - 12:00 PM	Address: Dr. Nand Kishore Garg, Founder Chairman, MATES and Chancellor, Maharaja Agrasen University, Solan, HP			
12:00 PM-12:05 PM  Vote of Thanks: Prof (Dr.) Vinita Gupta, Head Department of Journalism and Mass Communication				
Time	Technical Sessions	Topic		
Session I- 12:05 PM - 12:45	Court of India	Online Violence Against Women in India		
Session II - 12:45 PM - 1:30	PM Dr. Anurag Deep, Associate Professor Indian Law Institute, New Delhi	Understanding of Gender-Based Violence		
Q&A Session				
	Lunch Break (1:30 PM - 2:30 PM)			
Session III - 2:30 PM - 3:15	Counselling	Challenges in Ensuring Access to Justice to the Victim of Gender Based Violence		
	Q&A Session	C. L. C		
Session IV - 3:15 PM - 4:00	PM Dr. Karnika Seth, Cyber Lawyer & Expert, Supreme Court of India	Cyber Crime Against Women and Legal Challenges in Enforcement		
	Q&A Session	C I D IVI		
Session V - 4:00 PM - 4:45	PM   Dr. Pavan Duggal, Cyber Expert, Supreme Court of India	Gender Based Violence -Issues and Concerns		
Q&A Session				
	Valedictory Session			
4:45 PM - 5:05 PM	Outcome Presentations : Thematic Rapporteurs	S		
5:05 PM - 5:20 PM	Valedictory Address: Ms. Vandana Gupta, Dep of Telecommunication	uty Director General Department		
5:20 PM - 5:25 PM	Vote of Thanks: Prof. (Dr.) Ravi Kumar Gupta	, Director, MAIMS		

#### ORGANIZING COMMITTEE



Chief Patron PROF. (DR.) S. K. GARG **DIRECTOR GENERAL MAIMS** 



PROF. (DR.) G. P. GOVIL **ADVISOR MATES** 



PROF. (DR.) RAVI KUMAR GUPTA **DIRECTOR MAIMS** 



CONVENOR PROF. (DR.) VINITA GUPTA
HOD, DEPARTMENT OF JOURNALISM & MASS COMMUNICATION



DR. SHAVETA GAGNEJA DEPARTMENT OF LAW

#### **ORGANIZING COMMIT**





MS. SHILPI BSL ASSISTANT PROF. BUSINESS ADM

















MS. TARANPREET KAUR ASSISTANT PROF. COMMERCE







#### **ADVISORY COMMIT**



PROF. (DR.) SANGEETA MALIK DEAN, MAIMS



PROF. (DR.) RAJNI MALHOTRA DHINGRA PRINCIPAL, LAW



PROF. (DR.) VIJAY KR. KHURANA HOD, BUSINESS ADMINISTRATION Secretary, IQAC



MS. SARITA GARG **DEPT. OF BUSINESS** 



DR. LOKESH JINDAL DEPT OF BUSINESS ADMINISTRATION



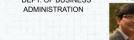
DR. MANJU GUPTA DEPT. OF COMMERCE



MR. PRAVEEN KUMAR GUPTA HOD, DEPT. OF LAW



DR. MANOJ VERMA COE





DR. UMESH PATHAK

## Maharaja Agarsen Institute of Mangement Studies ( MAIMS) Organizes

One-Day National Webinar on Gender-Based Violence in Digital Space Sponsored by National Commission for Women (NCW)

#### Program Schedule

	6 <sup>th</sup> November 2020 (Friday) 11:00 AM – 5:30 PM		
Time	Inaugural Session of the Webina	ar	
11:00 AM -11:05 AM	Saraswati Vandana	,-	
11:05 AM -11:10 AM	Welcome Address: Prof. (Dr.) S.K.Garg, Directo	r General, MAIMS	
11.00 11.11 11.10 11.11	Introduction of Theme of the Webinar: Dr. Shaveta Gag		
11:10 AM -11:15 AM	MAIMS	gueja, Department of Law,	
11:15 AM - 11:50 AM	Address : Chief Guest Hon'ble Justice Manju Goel, Forme	er Judge, High Court of Delhi	
11:50 AM - 11:55 AM	Address: Dr. Nand Kishore Garg, Founder Chairma	n and Advisor MATES	
11:55 AM - 12:00 PM	11:55 AM - 12:00 PM Vote of Thanks: Prof. (Dr.) Vinita Gupta, Head Department of Journalism and Mass Communication, MAIMS		
	Technical Sessions	Topic	
Session I - 12:00 PM -	Ms. Manisha Aggarwal, Cyber Expert, Supreme Court of	Overview of Cyber Laws in	
12:45 PM	India	India	
	Q&A Session		
Session II - 12:45 PM -	Dr. Anurag Deep, Associate Professor Indian Law Institute,	Understanding of Gender-	
1:30 PM	New Delhi	Based Violence	
	Q&A Session		
	Lunch Break (1:30 PM - 2:30 PM)		
C . III 220 DM	Prof. (Dr.) Debarati Halder, United World School of Law,	Challenges in Ensuring Access	
Session III - 2:30 PM -	Karnavati University & Managing Director (Hon), Centre for	to Justice to the Victim of	
3:15 PM	Cyber Victim Counselling	Gender Based Violence	
	Q&A Session		
C ' IV 2.15 PM	D K T C I C I I O C C C C	Cyber Crime Against Women	
Session IV - 3:15 PM -	Dr. Karnika Seth, Cyber Lawyer & Expert, Supreme Court of	and Legal Challenges in	
4:00 PM	India	Enforcement	
Q&A Session			
Session V - 4:00 PM -		Gender Based Violence -Issues	
4:45 PM	Dr. Pavan Duggal, Cyber Expert, Supreme Court of India	and Concerns	
	Q&A Session		
	Valedictory Session		
4:45 PM - 5:05 PM	Outcome Presentations: Thematic Rap	porteurs	
5:05 PM - 5:10 PM	Remarks: Prof. (Dr.) G.P.Govil, Advisor		
	Valedictory Address: Ms Vandana Gupta Deputy Directo		
5:10 PM - 5:25 PM	5:10 PM - 5:25 PM  Telecommunication		
5:25 PM - 5:30 PM	Vote of Thanks: Prof. (Dr.) Ravi Gupta, Dir	ector, MAIMS	



#### Maharaja Agrasen Institute of Management Studies

Affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University, Delhi INDIA Maharaja Agrasen Chowk, Sector-22, Rohini, Delhi-110086 INDIA (www.maims.ac.in)

Email: hodiournalism@maims.ac.in

Prof. (Dr.) Vinita Gupta

Head, Department of Journalism and Mass Communication Ph: +91-9810085131

**17th October, 2020** 

#### **NOTICE**

Subject: Webinar on 'Gender- Based Violence in Digital Space' on 6th November, 2020

A webinar on 'Gender- Based Violence in Digital Space' in collaboration with National Commission for Women organized by MAIMS is detailed as:

Program	The webinar will present the issues pertaining to Gender-based violence in Digital Space and explore the				
	following areas:				
		n of internet and its consequences on women in			
		g of Gender-based Violence and its various form	ms		
	Cyber Crime	and Administration of justice			
	Overview of 0	Cyber law in India			
	Challenges for	or law and law enforcement in ensuring access	s to justice for victims of gender-based		
	cyber violence	e.			
- D	1 D ( /D ) D 1	CHILD C. H. A. IW. H.C.L. 1. C.	T T CHILL A AL LL L		
Resource Persons	, ,	rati Halder –Professor, United World School of	•		
Tersons	2. Dr. Anurag Deep – Associate Professor, Indian Law Institute, New Delhi				
	3. Dr. Karnika Seth- Cyber Law Expert				
	4. Dr. Pawan Duggal- Cyber Expert & Advocate Supreme Court of India				
	5. Ms. Manisha Agarwal – Cyber Expert & Advocate Supreme Court of India				
Date	Friday, November 6, 2020				
Timing	10:00 am- 5:00 pm				
	D. C. (D.) III. II	D			
Faculty Coordinators	Prof .(Dr.) Vinita Gupta	Department of Journalism and Mass Communication	Convenor		
Coordinators	Gupta	Communication			
	Dr. Shaveta Gagneja	Department of Law	Co-Convenor		
	Di. Shaveta Gaglieja	Department of Law	Co-Convenor		
	Ms. Purnima Gupta	Department of Law	Moderator		









	Dr Nidhi Chaudhary	Department of Journalism and Mass Communication	Rapporteur
	Dr Anuradha Asthana	Department of Law	Rapporteur
	Dr Nisha Dhanraj	Department of Law	Rapporteur
	Ms Kriti Johri	Department of Law	Rapporteur
	Dr. Lokesh Jindal	Department. of Business Administration	Technical
	Bharat Banga	Department of Journalism and Mass Communication	Technical
	Dr. Charu Mohla	Department. of Business Administration	General Coordination
	Ms. Taranpreet Kaur	Department of Commerce	General Coordination
Participants	The webinar will adopt an interdisciplinary approach to generate information amongst different stakeholders such as researchers, women's right activists, lawyers and students from a range of disciplines: Law, Management, Journalism, Psychology, Sociology and so on.		
Registration Link		/forms/d/1uA6kwSpTZgrdl6JLMvIT7UOPTa90	Vf31rsvdaRF1mZQ/edit?usp=drivesdk
Venue	Zoom Platform		
Event Attending Link	https://us02web.zoom.us/j/9097708196  Password: MAIMS		
for Faculty and Students	1 assword, MAHVIS		



#### Copy to:

1. Director, MAIMS for kind information please

#### Table of Contents

Acknowledgements	3
Concept Note of Gender- Based Violence in Digital Space	
Expected outcome of Webinar	5
naugural Session of the Webinar 'Gender Based Violence In Digital Space'	6
Fechnical Session: 1 Gender- Based Violence in Digital Space	13
Technical Session:2 'Understanding of Gender-Based Violence'	15
Fechnical Session 3: Challenges In Ensuring Access To The Justice To The Victims Of Gender-Based Violence	
Technical Session 4: Access To The Justice To The Victims of Gender-Based Violence	21
Fechnical Session 5: 'Gender Based Violence – Issues and Concerns'	24
/aledictory Session	26
Observations & Conclusions	31

#### Acknowledgements

The successful organization of this webinar organized by Maharaja Agrasen Institute of Management Studies, Rohini in collaboration with the National Commission for Women on November 06, 2020 has been possible with the active participation of assistance of management, faculty and students.

Maharaja Agrasen Institute of Management Studies, Rohini would like to express deep and sincere gratitude to the National Commission for Women, for facilitating this one day seminar with the funds and logistics. We would like to specially acknowledge Mr. Gaurav and other staff members of National Commission for Women for their help and assistance provided by them from time to time.

We would like to thank Dr. Nand Kishore Garg, Founder Chairman and Chancellor Maharaj Agrasen University, Baddi for inspiring, guiding and the motivating us.

We would like to thank our Director General, Dr S.K Garg, Prof. Ravi Kumar Gupta, Director Maharaja Agrasen Institute of Management Studies, Rohini for their whole hearted support and guidance in organizing this webinar.

We would like to extend our heartfelt thanks to organizing team and the advisory committee of the webinar who made all efforts to make this webinar turns out to be a grand success.

We would like to appreciate Prof G.P Govil, Advisor, Maharaja Agrasen Institute of Technical Education Society for his guidance, unconditional support and contribution in making this webinar a success.

#### Concept Note of Gender- Based Violence in Digital Space

Today, cyber violence against women is a growing concern. Women are subject to various forms of cyber violence including abusing, threatening, stalking, voyeurism, body-shaming, defaming, surveillance, revenge porn and indecent representation of women. As per the statistics recorded by National Crime Record Bureau (NCRB), 2017 nearly every fifth cyber-crimes is committed against women and the impacts of these forms of violence are traumatic for victims such as depression, stress, and insomnia. Women and other target groups lack awareness as to where to report such crimes and prefer to remain silent after suffering online abuse.

Cyber violence is generally committed through fake ids created on Facebook, Twitter and other social media platforms and poses a major threat to the security of women. The existing legislative framework under Indian Penal Code,1860 & Information and Technology Act,2000 have become progressive after amendments. However, both the laws are subject to certain limitations and does not have potential to deal with the issues of cyber violence.

#### Objective of the Webinar

The proposed webinar will present the issues pertaining to Gender-based violence in Digital Space. It will explore the following areas:

The Evolution of internet and its consequences on women in digital space
Understanding of Gender-based Violence and its various forms
Cyber Crime and Administration of justice
Overview of Cyber law in India
Challenges for law and law enforcement in ensuring access to justice for victims of
gender-based cyber violence.

The webinar will adopt an interdisciplinary approach to generate information amongst different stakeholders such as researchers, women's rights, lawyers, and students from a range of disciplines: Law, Management, Journalism, Psychology, Sociology and so on.

#### **Expected outcome of Webinar**

The expected outcomes from the webinar are many fold; primarily the webinar is expected to effectively communicate, expose and explain the need to understand the cyber world which is increasingly becoming an essential part of life. The nuances of cyber world, as one expects, are extremely specific and technical. Thus, it is pertinent that the participants are made aware about the various dimensions that they expose themselves as soon as they simply click a link on the internet. Secondly, the proposed webinar is expected to elaborate on the evolution of cyber space in India and its consequences on women in particular. As it is common in non- digital space, women have often been seen to be victims of various cyber crimes including sexual harassment, bullying etc.

Once the participants are made aware about the growing threats of cyber world, the webinar shall dive into next stage i.e. justice system in India vis a vis cyber crimes. In this part the webinar is expected to, as suggested by the objectives, enumerate how well we, as a country, are prepared to deal with rising spread of such crimes. Not only the participants must be made aware about the various crimes accepted in criminal statutes, but also about new crimes, which yet not have been recognized as offenses but still poses major challenges, especially to women. Further, the webinar is expected to highlight various remedies available to the victims. Now, remedies must work both at pre- crimes stage, precautionary, and post crime stage which are restitutive, penal or compensatory in nature.

Further, Covid-19 caused global pandemic, apart from the health emergency, has forced people to communicate and use electronic means for most of our necessities. Thus making the cyber space more important than ever. The proposed webinar is also expected to highlight the future challenges or new realities that people, especially women, might face on the internet.

Finally, as the proposed webinar is largely for the students of various streams, it is expected to ignite an interest in minds of students who may well like to become cyber specialists in the future, which offers not only jobs but opportunities of entrepreneurship in the sector. Least of all students will become informed responsible citizens, better prepared, thus providing strengths to societal and national defenses.

# Inaugural Session of the Webinar 'Gender Based Violence In Digital Space'

Virginia Woolf marks 'Women needs a Room of her own', the room she talks about signifies the very space where she can assert her individuality and herself. This Legal Awareness

Program was chalked with the very aim of bringing to light the laws which exist to secure and support women in the digital space as individuals in the society.

Initiating the day Ms Sumedha Dutta, Assistant Professor, Department of Management Studies welcomed everyone to the one -day



national webinar on the 'Gender Based Violence in Digital Violence' in collaboration with National Commission for Women organized by Maharaja Agrasen Institute of Management Studies (MAIMS) New Delhi, on 6<sup>th</sup> November 2020 Zoom Meeting platform.

The programme begin with bowing our heads towards goddess Maa Saraswati:

"Shubham Karotikalyaanamaarogyamdhansampada, shatru buddhi vinashaya, deepajyotinamostute. "I salute the supreme who is the light in the lamp that brings auspiciousness, prosperity, good health, abundance of wealth and the destruction of intellects enemy."

Gender Based Violence is a phenomenon deeply rooted in gender inequality and continues to be one of the most notable human rights violations within all societies. It is violence directed against a person because of their gender. Both men and women experience gender based violence but the majority of victims are women's and girls. Such violence knows no social, economic, or national boundaries Today's webinar will provide an opportunity to practitioners, academicians, researchers and civil society to deliberate various forms of gender based violence and its prevention. The talks and discussions focused on a gamut of increased prevalence of online violence against women, the lack of effective measures to prevent and contain it and the struggle to eliminate all forms of gender-based violence.

**Sumedha Dutta:** It is my proud privilege to introduce you all our respected Director General, MAIMS Dr. S.K. Garg. He was the professor in Chemistry Department in Rajdhani College, University of Delhi and then became Principal of Deen Dayal Upadhaya College for almost 20

years. He has 42 years of Academic experience and has been a member of numerous committees of DU, UGC and MHRD including the National knowledge commissions working group which designed the choice based credit system in 2014. Sir has many awards to his credit including the ambassador for peace award of the International Federation for world peace. He got retired in Dec, 2018 and joined MAIMS as Honorary Director General in August, 2019.



# WELCOME ADDRESS BY Dr S.K GARG, DIRECTOR GENERNAL, MAIMS

Prof. (Dr.) S.K. Garg welcomed all distinguished guests, faculty, participants, students and gave an overview of MAIMS vision and mission. Prof. Garg set the ball rolling for the day long webinar

with his articulate deliberations over theme of Gender-Based Violence in Digital Space. He said crime is old as human civilization is, but there are systems in place which try to keep a check at crime. Cyber-crime is relatively recent it emerged with evolution of internet and its mass usage over social media. Cyber-crime has become as big as physical crime and exists in many forms. Especially cyber-crime is targeted towards women more from financial frauds to harassment it percolates in various forms. There are cyber cells in place but unfortunately the personnel there are not well trained in IT and hence the criminal outsmart them. Although now Supreme Court has made it mandatory to have IT trained personnel to head cyber cells. So theme of the webinar is apt in today's scenario and everyone will be benefitted from the same.

Sumedha Dutta: Thank you so much sir for enlightening us with your impeccable knowledge.

# INTRODUCTORY REMARKS: PROF. G.P GOVIL, ADVISOR, MATES

Prof Govil served as a dean in Maharaja Agrasen University Baddi (H.P.) Director,Northern India



Engineering College, and also as a Director, in Ideal Institute of Technology, Ghaziabad. Prof. Govil has 46 years of experience in teaching, research and industry. He has published about 25 research papers and also a member of National Board of Accreditation and Margdarshak, AICTE. I would like to call Advisor, MATES Prof. Dr. G.P. Govil for giving his valuable remarks.

Prof. (Dr.) G.P. Govil, underlined how the theme of the webinar is the need of the hour to spread awareness amongst women. We can't imagine how horrifying it is for women who undergo the trauma of harassment. The problem is that most these cases go unreported either due to ignorance or due to fear of society "log kyakaheinge". In India 70 crore people are using internet out of which 20 crore is women. Cyber-crime is an alarming concern which has sprung in recent times and needs immediately attention and requires action from government, family and civil society. Cyber space has become parallel form of living and offers abundant opportunities for women to excel and contribute across various fields therefore cyber space should be safe and offers new avenues. Women are subjected to cyber-crime due to trust factor or psycho minded criminals which may lead to trauma or sometimes suicide to not fault of theirs. Women though being in the safety of their homes too are not safe due cyber-crime. This is a major setback of the development of nation and society. Youth is spending more time on social networking sites hence making them more vulnerable to cyber-crime. In India law governing agencies and people have minimal training and ignorance to cyber advancements has paved way for cyber-crime. We need a proactive approach in adopting technology and legislative framework along with education and training. So sensitization is much need to tackle the menace of gender based cyber-crime. Women access to justice should be a mix of criminal, civil and administrative processes and include the areas of the 5Ps namely Prevention of online violence, Protection of victims or survivors, Prosecution or Punishment of perpetrators, Provision of redress, and the last reparation of victims or survivors. Prof. Govil appealed all the participants to further spread the awareness about this issue at their levels in entire society and raise the voice against the cyber-crime against women.

**Sumedha Dutta**: Now I would like to call upon Dr. Shaveta Gagneja, Department of Law and Legal Studies, MAIMS for introducing the theme of the webinar.

#### **INTRODUCTION OF THE THEME:**

DR. SHAVETA GAGNEJA

Dr. Shaveta Gagneja, Co-convenor of the webinar introduced the theme of the webinar. Dr. Shaveta Gagneja said women's presence in cyber space has increased tremendously hence gender violence in digital space has become a big threat to progress of gender equality. Social interaction and professional interaction has increased over digital platforms more so in



due to COVID 19 pandemic. Even criminals have access to everything and there is hug lack of digital security. Women are higher risk of cyber-crime in various forms due to lack proper education and training. Although there many campaign already addressing issues of digital harassment in spite of this women still face online violence still there is still huge lack of knowledge about online harassment. Hence, it is very important to spread awareness in this regard and raise this issue.

Sumedha Dutta: We are extremely delightful and honoured to have amongst us today's Chief Guest Hon'ble Justice Manju Goel, former Judge High court of Delhi. Presently she is the Chairperson of the Committee for preparation of Training Module for Legal Services Lawyers, Para Legal Volunteers and Probation Officers. She is also an arbitrator and mediator. She is one of the panel arbitrators of the Delhi International Arbitration Centre and also a Master Mediator on the Panel of Center for Effective Dispute Resolution, London. She is also a member of Governing Body of National Law University of Delhi and the Academic Council of National Law University, Jodhpur and member of Academic Advisory Committee of the School of Law, University of Petroleum and Energy Studies, Dehradun. Presently mam is doing the most noblest profession of teaching Judicial Officers. It's my privilege to invite ma'am to enlighten us.

#### **KEYNOTE ADDRESS BY:**

#### JUSTICE MANJU GOEL, FORMER JUDGE, HIGH COURT OF DELHI

The Chief Guest of the webinar Honorable Justice Manju Goel, former Judge High Court of Delhi stated that increased frequency of online violence against women as we all are going through communication transformation from physical modes communication to digital mode, the lack of effective measures to prevent and contain it and the subsequent impunity must be addressed as part of the struggle to eliminate all forms of gender-based violence. We need to bring a change in the stereotyped submissive role of women in society. definitely, what we require is not more laws but implementation which begins with reporting, followed by thorough



investigation and wide spread awareness of such measures. There is huge increase in cyber-crime from small to white collar crime it may be in any form or degree due to quantum jump in science and technology. In cyber-crime it is difficult to identify source of crime. OTT platform have no censorship and internet users have lack of choice content selection at times disturbing obscene content lead to great stress and depression which many become deep rooted on our psychic. Crime against women is due to mindset of patriarchy, stereotyping women as inferior and hence there is trivialization of crime against women. We need to train our boys to treat women well. The problem is not lack of laws but poor implementation and not reporting of the crime. 30% of crime against women goes unreported either due to fear of society or ignorance or lack of faith in system. So what is needed is awareness at various levels i.e crime its acquittal and root cause of crime. Even civil society can help bring justice bring the culprits to shaming and defaming. We need to understand the implications of crime against the women in general and crime against women in cyber space in particular.

Sumedha Dutta: Thank you so much mam! Your words were full of enthusiasm and valuable knowledge. We have amidst us Dr. Nand Kishore Garg the inspiring, guiding and the motivating force behind all our activities and events. Sir did his graduation in science Stream and earned law degree from University of Delhi. He has a long association in Politics wherein he was elected as a Member of Legislative Assembly, Delhi Vidhan Sabha. Not only in politics he keeps strong interest in various Social and religious associations with a prime motive to serve the society. He is a well Known reader and an orator and presently he is pioneering the field of Technical and Professional Education from the last 20 years. I request him to give his insight out of his experience for today's webinar.

#### ADDRESS:

### DR NAND KISHORE GARG, FOUNDER CHAIRMAN AND CHANCELLOR, MAHARAJA AGRASEN UNIVERSITY



Dr. Nand Kishore Garg, gave a very insightful address. Dr. Garg emphasized upon the relevance of the webinar on such a pertinent issue for spreading the awareness in the society. He stated that the ugly rise of cyber-crime is due to use and abuse of technology. The unwanted obscene material is also leading to breaking of marriages and no choice of

content control is at times taking a toll at the innocent ones too. We need to understand that every time the law governing can't control crime we also have to the onus of curbing crime at our level. It is in this direction that we must work as Change must begin with ME. Cyber-crime or any crime in general can be checked by imparting holistic and character-based education.

**MsSumedha Dutta:** Now I request Prof. Dr. Vinita Gupta Head of Department of Journalism and Mass communication to propose a Vote of Thanks



Prof. (Dr.) Vinita Gupta, Convenor of the webinar expressed gratitude to National Commission for Women for providing support to organize the webinar which is definitely a need of the hour. She thanked Chief Guest of the webinar Hon'ble Justice Manju Goel. She expressed heartfelt thanks to Dr. Nand Kishore Garg, Founder

Chairman and Chief Advisor, Maharaja Agrasen Technical Education Society (MATES) for being constant source of inspiration for everyone. Further, she thanked all the hon'ble members and all officer bearers of the MATES managing committee - Shri Vineet Kumar Gupta (Chairman); Shri S. P. Aggarwal (Executive Chairman). She thanked advisors MATES Prof Muneesh Kumar, Prof. I. M. Kapahy, Prof, G. P. Govil, Prof N. K. Kakkar and Prof Neelam Sharma, Director, Maharaja Agrasen Institute of Technology & Prof. S. S. Deswal, Dean Academics (MAIT) for lending all the support for organizing the webinar. She showed

gratitude to Director General, MAIMS Prof (Dr.) S. K. Garg and Director, MAIMS, Prof. (Dr.) Ravi Kumar Gupta and Heads of all departments, faculty, staff, students and organizing team for making this event a reality. She also thanked all the distinguished speakers and participants of the webinar.

#### Technical Session: 1 Gender- Based Violence in Digital Space

Time: 12:00 PM-12:45 PM

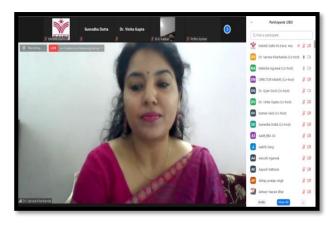
Speaker: Ms Manisha Agarwal

Topic: 'Overview of Cyber Laws in

India'

Moderator: Ms Varuna

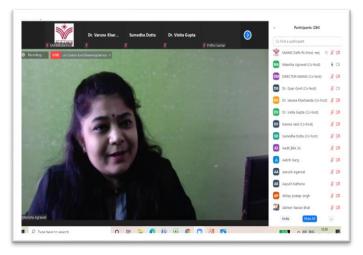
**Kharbanda:** The objective of the session is to understand the extent ofcyber laws in general and gender-



based violence in particular. The speaker for this session is Ms Manisha Aggarwal, is an Assistant Advocate General for Govt of Haryana before Hon'ble Supreme Court of India. She is senior panel counsel for Central Govt and UP Govt. She is also part of editors team of a bilingual pan India law magazine 'NyayPravaah' and has over 14 years of experience in civil commercial, educational and arbitration matters as an advocate. I now invite Ms Manisha to

address the gathering on the topic 'Overview of Cyber Laws in India.

She appreciated the participation of the male counterparts in this webinar on gender based violence, as it signifies that the male members of the society are willing to take responsibility and are



making efforts to reduce crime against women. Cyber space is pervasive and therefore, women can be subjected to crime at any place, in any way and at any time of the day. She then briefly compared and explained the traditional as well the online ways of stalking a woman and also highlighted the fact that the laws which deal with traditional crimes are very well applicable and sufficient in dealing with online crimes. She further urged all the participants to take due precautions while using social media websites and applications just like we take precautions in physical space. Traditionally, all of us avoid going out at night; similarly, in the cyber space, she gave us the golden rule of not sharing personal details and not posting pictures on social media for various reasons. She highlighted that nothing can ever be forever deleted from online platform and it can anytime come back to you. Also, the content that we upload has digital

footprints which can reveal one's personal details such as home/ office address. She cautioned us that websites do not take responsibility for the content uploaded on them and behave like dumb pipe; hence the responsibility of our safety lies on our own shoulders and its time we behave like smart pipes.

She then briefed us about the Information Technology Act, 2000 whereby a person can be jailed for uploading gender disturbing material or obscene content, and also for concealing one's true identity while signing up on online portals. She also explained a few provisions of POSH Act, 2013 for preventing sexual harassment at workplace. She clarified that if even beyond stipulated working hours, the boss cannot legally ask a subordinate to act in an undesirable manner. Anyone who is subjected to any written form of violence can take a print of the same as a proof against the wrong doer and seek legal help. Ms. Aggarwal briefed us about two acts and reiterated that crimes such as such as asking for dowry, outraging a women's modesty which have been committed since time immemorial in our society in either offline or online mode or both, can be addressed using the existing legal provisions.

**Ms Varuna Kharbanda**: Thank you ma'am, for sharing your perspectives, and addressing the issues and concerns relating to cybercrimes. We will now continue with the next technical session.

#### Technical Session: 2 'Understanding of Gender-Based Violence'

Time: 12:45PM-1:30PM

Speaker: Dr Anurag Deep Associate Professor, Indian Law Institute, New Delhi.

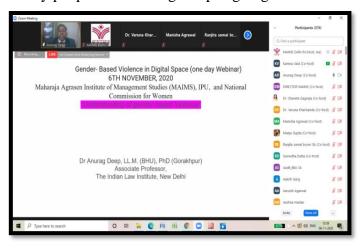
Moderator Ms Varuna Kharbanda Dr Anurag Deep is currently serving as Associate

Professor in the Indian Law Institute, New Delhi. He completed LLB, LLM from Banaras Hindu University, Varanasi with merit scholarships and earned his Doctoral from Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, in the area "Laws regarding Terrorism and Violation of Human Rights (with special Reference to Cyber



Terrorism)". He has teaching experience of eighteen years and over fifty publications in English and Hindi including the Journal of Indian Law Institute, Annual Survey of Indian Law, ISIL Year Book, Yojana, and Pratiyogita Darparn, etc. He is also an Associate Editor of Annual Survey of Indian Law and ILI Law Review. He is member of editorial board of Uchchattam Nyayalaya Nirnaya Patrika, published by the Government of India. He served as a resource person in the Canadian High Commission, Jawahar Lal Nehru University, National Law University Delhi, Delhi University, Banaras Hindu University, CBI Academy etc. He also actively participates in free legal aid to needy people. Dr. Anurag Deep is going to address the

gathering on the topic 'Understanding of Gender-Based Violence'. Cyber Crime specially in India is a very subjective issue which touches every household, every person in and around the country irrespective of its financial status or age. Drawing our attention towards Article 51 A(h) which provides that



it is the fundamental duty of every citizen to develop scientific temper, humanism and spirit of inquiry in the nation which is actually very much needed in traditional societies like ours which are still glued to very old traditions. Although, there is nothing wrong in believing in something

and following traditions till the time it is not against the laws laid down in the nation which are protecting and maintaining peace in the nation. In India, research has shown that increasing access to the internet has resulted in more and more men and women facing online violence and abuse for participating in public life. Increased prevalence of online violence against women, the lack of effective measures to prevent and contain it, and the ensuing impunity must be addressed as part of the struggle to eliminate all forms of gender-based violence. Dr. Anurag deep stressed that consent is pivotal in online gender-based violence and key in differentiating lawful behaviour from unlawful and harmful behaviour. It important in gauging whether there has been a violation of privacy with regards to the dissemination of private data. Unfortunately, social media platforms make it easy for cyber stalkers to access an individual's personal information and use it against others often by posting sensitive content online without consent.

The session took into consideration the sociological jurisprudence as Indian societies talks about society whereas western society is about individualism. There is an the incorrect assumption that since India does not have laws with specific headings such as 'cyber bullying' or 'porn', victims are powerless. This is yet another myth to be busted. Depending on the mode and manner of commission of online violence, there are sufficient provisions under the Information and Technology Act, 2000 and Indian Penal Code, 1860 criminalizing acts such as rape or death threats online and non-consensual uploading of nude or sexually explicit content. For instance, the death and rape threats referred above would squarely attract Sections 506 (Parts I & II) IPC, which makes the 'intent to cause harm' that results in the commission of acts not legally bound or omission by the victim to exercise their legal rights. Similarly, 'revenge porn' cases may be dealt with through applying Sections 354C and Section 509 of Indian Penal Code and Sections 66E, 67 and 67A Information and Technology Act. If such an offence is committed against a minor, Section 67B Information and Technology Act, 2000 and possibly offences under The Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012 ('POCSO') will be applicable.

Before concluding the session, he cast a duty not only on the authorities but on the citizens as well in reducing the cyber-crimes. This implementation needs to be coupled with non-legal measures to address the structural inequalities which stem in part from patriarchal notions of morality, lying at the heart of the online abuse faced by women .He also informed us about the 5 types of enforcements such as educative, persuasive compulsive, coercive, punitive. These varies from being a more active citizen to emphasize on punishments to set examples for the rest.

Varuna Kharbanda: Thank you,
Sir for this informative session. I
now call Dr Vijay Khurana, HOD
Department of Business
Administration & Secretary
IQAC for giving a Vote of
Thanks.



# Technical Session 3: Challenges In Ensuring Access To The Justice To The Victims Of Gender-Based Violence

Time: 2:30PM-3:15PM

Speaker: Prof. (Dr.) Debarati Halder, United World School of Law, Karnavati University & Managing Director (Hon), Centre for Cyber Victim Counselling

Moderator: Ms Shilpa BSL, Assistant Professor, Department

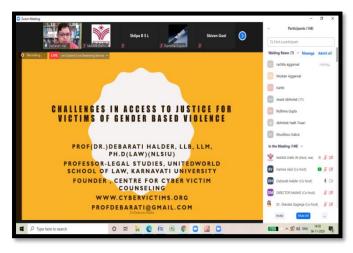


of Business Administration A very good afternoon one and all. I welcome you all to the postlunch session of the One Day National Webinar on the topic-"Gender-Based Violence in Digital Space" sponsored by National Commission for Women and Organized by Maharaja

Agrasen Institute of Management Studies, New Delhi. One of the stark realities every Indian faces today is that of endemic gender- based violence. It is rampant, systemic, and deeply embedded within our sociocultural ecosystem. All of us at some point in time have either faced or



witnessed gender based violence. And, as members of progressive thinking academic community of teachers and students, we all have a responsibility to change this grim reality.



And as they always say, you cannot change something that you do not know, we in this post lunch session will discuss different facets of gender-based violence to sensitize our students regarding the ways of both coping and overcoming gender based victimization. We are privileged to have us ,Prof. (Dr.) Debarati Halder

India's leading cyber victim counsellor, researcher, academician and legal expert in the areas of cyber laws and gender rights. The whole presentation of Prof. Halder was spread over five parts viz. types/ways of gender-based violence in digital space, Routine Activity Theory explaining inter-relations among stakeholders of violence, stakeholders for ensuring justice to the victims of violence, main challenges in ensuring the justice, and suggestions to ensure justice to the victims. The presentation started with the removal of discrimination between men and women in terms of victims of violence in the digital space, though cases of violence where men are victims are reported very less. Prof. Halder explained four important types of violence in the digital space viz. text based, voice based, image based, and audio-visual based. The textbased violence occurs through messages on mobile phone or messaging applications such as WhatsApp, Facebook or LinkedIn where the victims have to pass through a trauma after receiving those messages containing vulgar languages. The voice-based violence takes place through calls or voice messages having threatening messages. The image-based violence is very menacing where images of victims are picked in public places such as parks, markets, or beaches and morphed. These morphed images are spread over social media. And the audiovisual violence happens through morphed videos of the victims which even include pornography. Prof. Halder also provided some examples of violence in digital space such as Ritu Kohli case.

The second part of the presentation explained well the inter-relations between three stakeholders i.e. Perpetrator, Victim, and Guardian. The perpetrator conducts violence against the victims in any of the ways explained above and the guardians which include parents, elder persons, police try to provide justice to the victims. There are many cases where the relationship between the victim and the perpetrator are very closed and guardians are even perpetrators. Some of the examples of such situations include master-servant, work place exploitation etc.

The third part of the presentation elaborated various stakeholders responsible for providing justice to the victims and their role. The main such stakeholders are family members of the victims, court, police, social & news media, and third-party stakeholders like NGOs and hackers. All of have their own important roles to play in access to the justice of gender-based violence victims in the digital space.

The fourth part of the presentation explained prominent challenges in ensuring justice to the victims of gender-based violence in the digital space. Such challenges highlighted by Prof. Halder include social mindset not allowing the cases to be reported and defaming the image of

the victims; issues with the existing laws; undefined jurisdiction in case of violence in digital space; and victims' irrational coping techniques.

The fifth and final part of the presentation provided crucial suggestions in ensuring justice to the victims which include awareness about such violence and rights of victims; collaboration among different stakeholders responsible for providing justice to the victims as mentioned-above; legalizations of issues; a need for properly trained and efficient police officers handing cases related to violence cases in digital space; and criminalization.

**Moderator: Ms Shilpa BSL:** Thank you very much Mam for wonderful presentation. Now I call Dr Sanjay Mangla, HOD Department of Economics for giving Vote of Thanks.



## Technical Session 4: Access To The Justice To The Victims of Gender-Based Violence

Time 2:30 pm to 3:15 pm

Speaker: Dr. Karnika Seth, Cyber Law Expert, Supreme Court of India

Moderator: Ms Shilpa BSL Dr. Karnika Seth. graduated masters in Law from king's college from University London and holds a doctorate degree in Cyber Law, founder of Seth Associates, and Chairperson of LEX CYBERIA at Seth Associates which is not only India's but the world's first



integrated cyber law research forensic and legal consulting center. She is internationally acclaimed, Cyber Law expert and IT expert, prolific author policy maker and educator.

Dr. Karnika Seth in her presentation emphasized about the legal framework and the major laws that protect women rights in India and particularly with regards to online media such as Information and Technology Act, 2000, POCSO Act, indecent representation of women's act, IPC and many more different provisions that protects the rights of women when it comes to sexual or online harassment.

Further, she talked about current redressal mechanism and mentioned that we may have a number of laws in the country but enforcement is a huge challenge. When it comes to enforcement, various layers are to be taken into notice, number one layer is the hesitation to report the matter as there is a fear it becoming a social stigma as the mindset hasn't changed. Then secondly, once the report is made, a helpline is contacted or a police officer is contacted. Such police officer needs to be well trained to understand the sections applicable and he/she must immediately take action on it. There is need for constant training of these law enforcement officers. There have been legal aid and special legal aid cells created in every court where a woman who cannot afford to pay a fee is given a free legal aid as well through state legal authorities and in every state there's a lot being done in terms of the spreading awareness and helping them get a legal redressal. She then elaborated the term revenge porn. By that term she

meant sexting, bullying and trolling. According to her, there is need for newer laws to stop fake news against women, content which is defamatory to her or duplication of content which is obscene in nature. Although, all that can we stop that through DNA photo hash mechanism, or through various techniques such as AI, facial recognition technology or data mining and other data analytic resources and technical tools available. These tools can not only just been used to make commercial gains but also for the purposes of ensuring law enforcement mechanisms act more effectively.

Next part of the presentation provided knowledge about most recent landmark judgments by honorable Supreme Court. Dr. Karnika talked about the Vishakha judgment and how the sexual harassment against women looked before Vishaka judgment and then later on how it transformed. She talked about the guidelines and the new act which was enabled to empower women to actually voice their concerns and voice their problems and the crimes which have been perpetrated against them and how they have been protected from a lot of problems and crimes with the help of the new laws. Also she enlightened us how women were also given equal status as a coparcener recently and daughters have been given the same rights as men have and the way the Supreme Court has tried to create gender parity. Then she discussed the swami case, after which, any person will think twice before actually putting a hidden webcam somewhere in a shopping mall. Although it is really common to hear about the hidden webcam that somebody has put.

Dr. Seth also enlightened us about what is the way forward in terms of loop holes and how we need to address these issues. Furthermore, she talked about the hesitation of using the technology which now has gone, whether it's older people or older generation or the new generation. And this technology is a huge powerful tool for entrepreneurship for women for education and one must embrace technology but one also be diligent in how he/she handle it and how it must be used and protection from various attacks which are possible or threats which are there online is a must. Therefore, if one is a victim of cyber crime or a known person has become a victim of cyber-crime and must report it. Secondly, one must have a mindset that he/she needs to collect evidence, whatever is there, sometimes one deletes it in a rush and doesn't want to report or simply destroy the gadget, but such things shall not to be done because then one cannot prove the wrong that has been done to him. Thirdly, one needs to understand that they are entitled to their rights as much as anybody else is, so they must take a stand for themselves. Fourthly, one must have faith in the system as there are mechanisms available for their help. There are women helpline numbers. NCW is there and there are other organizations one can always get support from and then there is free legal aid as well. And lastly, there must

be awareness because unless the awareness reaches everybody the mindsets will not change and when the mindsets don't change the step two doesn't come into the picture.

She discussed the important provisions of Information Technology Act like Section 67 which makes circulation, selling, distribution of obscene material a punishable offence with a "term up to 3 years of imprisonment and fine of Rs.500". Also Section 67A which says that "whoever publishes/transmits in electrical form any material which contains sexually explicit act or conduct shall be punished with imprisonment of 5 years and fine which may extend to 10 lakh rupees. Apart from that, the speaker defined the Revenge Porn, when a person willingly publishes, circulate, distributes or prints any obscene or sexually explicit material without the consent of the person either to shame the victim or to lower his reputation. The motive behind is vengeance. The offender is booked under Section 66E of the Information Technology Act which states "whoever intentionally captures, publishes, distributes or transmits the image of a private area of a person without his/her consent under circumstances violating the privacy of that person, shall be punished with imprisonment which may extend to 3 years or fine not exceeding 5 lakh rupees or both."

Lastly she summed up in nutshell that the Indian Penal Code and the Information Technology Act do not cover all the cyber offences against women. There is hesitation among women to report a crime. Most vigorous arrangement is required. The training of judges is required. Many a times, women are not even aware of the laws that could protect their rights. Most of the cybercrimes cases go unreported. The law is not the solution to all the problems. There even lack separate provisions for various cybercrimes. The women themselves need to come out and report the crimes for the laws to help. With the steep increase in the number of cybercrimes against women, there needs to be stricter laws against such crimes and proper implementation of the laws should be looked into.

Moderator: Ms Shilpa BSL Now, I call Ms Sarita Garg, Assistant Professor, Department of Management Studies to deliver Vote of Thanks



### Technical Session 5: 'Gender Based Violence – Issues and Concerns'

Time: 3:15 PM - 4:00 PM

Speaker: Dr Pavan Duggal, Cyber Expert, Supreme Court of India

**Moderator Ms Shilpa**: This session 'Gender Based Violence – Issues and Concerns' will be delivered by the Dr Pavan Duggal, an internationally celebrated Cyber law and Cyber security subject expert. Now, I invite Dr Pavan Duggal for the last technical session of the webinar to

high light 'Issues and Concerns' pertaining to gender- based violence.

As a human being, one tends to reveal their deepest secrets in this dark layer of internet which promises us a platform of anonymity. And thus, tempting people to employ it as a platform to vent out their revenge and harass people. At a global



level, steps need to be taken to protect the digital integrity of women and children from stalking, online abuse, pornography, etc. India requires a new legislation that is wholly dedicated to cyber security. Indian Cyber law is miles behind the realities of Social media and there is a need to amend the Information Technology Act, 2000 to put it in sync with the requirements of times. The Information and Technology Act, 2000 was completely silent about women protection and child pornography on the online platform. Though the Information Technology Act was revised, but cyber bullying, stalking, cyber trolling, cyber harassment against women and children, etc. are still left unattended. There is an exponential increase in cybercrime activities and massive growth in cyber security breaches during Covid-19 which had put the last nail on the coffin on this existing gloomy picture. Thus, the onus of framing more responsible laws has become all the more urgent. The Government's move to amend the Indian Information Technology Act, 2000 is not enough. Every stakeholder has to contribute their small bit to protect women and children who are the future face of our country. Dr Pavan Duggal's extremely lucid session ended on a positive note that we need to put our best foot forward to make the cyber space a safe platform for one and all. Towards the end of the session, Dr Duggal emphatically stressed that test convictions and deterrent messages can play a constructive role in managing the issue of gender - based violence in digital space.

Moderator: Ms Shilpa Now, I request Dr Parveen Kumar Gupta HOD Department of Law, to propose a Vote of Thanks

## **Valedictory Session**

### Time - 4:45PM-5:30PM

### Webinar on 'Gender- Based Violence in Digital Space'

Ms Purnima Gupta Assistant Professor, Department of Law welcomed all in the Valedictory

Session of the Webinar Gender-Based Violence in Digital Space organized by Maharaja Agrasen Institute of Management Studies (MAIMS) sponsored by National Commission for Women. The end of a story is the new beginning for many others. On this note a remarkable, memorable and knowledgeable day long webinar concluded with the Valedictory



Session. First of all the in-depth outcome presentations of the five technical sessions of the webinar were made by the respective thematic rapporteurs in the following sequence:

Session: I - Ms. Manisha Aggarwal, Cyber Expert, Supreme Court of India, delivered talk on 'Overview of Cyber Laws in India' and reported by Ms. Preeti Bansal, Assistant Professor, Department of Business Administration.

**Session: II - Dr. Anurag Deep**, Associate Professor Indian Law Institute, New Delhi gave deliberations on 'Understanding of Gender-Based Violence' and reported by Dr. Nisha Dhanraj Dewani, Assistant Professor, Department of Law.

Session: III - Prof. (Dr.) Debarati Halder, United World School of Law, Karnavati University & Managing Director (Hon), Centre for Cyber Victim Counselling took session on 'Challenges in Ensuring Access to Justice to the Victim of Gender Based Violence' and reported by Dr. Sanjay Mangla, Head & Associate Professor, Department of Economics.

Session: IV - Dr. Karnika Seth, Cyber Lawyer & Expert, Supreme Court of India held session on 'Cyber Crime Against Women and Legal Challenges in Enforcement' and reported by Ms. Nisha Dhanraj Dewani, Assistant Professor, Department of Law.

**Session:** V - Dr. Pavan Duggal, Cyber Expert, Supreme Court of India delivered talk on 'Gender- Based Violence -Issues and Concerns' reported by Ms. Sumedha Dutta, Assistant Professor, Department of Business Administration.

**Ms Purnima Gupta**: We are honored to have amongst us Ms. Vandana Gupta, Deputy Director General, Department of Telecommunication Chief Guest of the Valedictory Session

Ms. Vandana Gupta, has done her M.Sc. (Botany) M. Phil. (Botany) in 1987 and 1988. She has also done LLB from Faculty of law, University of Delhi. She joined civil services in 1990 and has also served in various departments such as Ministry of women and child



Development, National Commission for Women. She is presently serving as a Deputy Director General in Department of Telecommunications, Delhi .Now I invite Vandana Madam for Valedictory Address

At the outset she said that the organizers has selected a burning topic which is the need of the hour. We keep on hearing terms like cyber bullying or online harassment but these terms do not include the serious and horrifying experiences the victims or survivors undergo due to cyber-crime or violence. Cyber-crime is very threatening and far-reaching. Very important stakeholders in the digital landscape of the gender-based violence are internet intermediaries or the service providers, yet are reluctant to have guidelines to govern the acts on internet. Which proves to be hazardous and especially women therefore, intermediaries have to be roped in and made responsible for curbing the gender- based violence in the digital space in order to promote for Right to Privacy and Data Protection norms. She further highlighted that content regulation may sometimes put freedom of expression in question but consent is important in this regard. Right to online anonymity should be maintained and service providers should take consent from internet users before using their data anywhere in context to personal, public data or commercialize data. Digital ecosystem should developed in such a manner to empower women, children and minorities rather than subjugating them. State has to have due diligence in cyber-crime using the 5Ps namely Prevention of online violence, Protection of victims or survivors, Prosecution or Punishment of perpetrators, Provision of redress, and the last reparation of victims or survivors. Prosecution has to be very stringent. Prosecution system should not further harass the victims. Cyber cells should there in every district at least one in each with trained staff which needs to sensitized and trained from psychosocial angel of the

crime. Out of all the stakeholders internet intermediaries has to play the biggest role in curbing gender- based violence in the digital space. If these steps are taken then gender based violence in the digital space can definitely be controlled.

**Purnima Gupta**: Thank you very much mam for gracing the occasion. Now I invite Prof (Dr) Ravi Kumar Gupta, Director MAIMS to deliver Vote of Thanks. Prof. (Dr.) Ravi Kumar Gupta has experience of over 25 years including teaching and administrative assignments. He has keen interest in academics and research activities. He has guided research to 15 M. Phil. and 4

Ph.D. research scholars and 6 more are presently registered with him in various other universities. He has published over 90 papers in journals of National and International Repute and has edited 6 books in the areas of Management and Commerce.

Prof. Gupta expressed gratitude to the Chief Guest of the Valedictory Session



Ms. Vandana Gupta, Deputy Director General in Department of Telecommunications, Delhi. He thanked Chief Guest of the introductory session of the Webinar Hon'ble Justice Manju Goel and National Commission for Women for providing support to organize the Webinar. He showed his deep sense of gratitude all the distinguished speakers of the five technical sessions namely, Advocate Manisha Agarwal, Cyber expert and Advocate Supreme Court of India, Dr. Anurag Deep, Associate Professor, Indian Law Institute New Delhi, Prof.(Dr)Debarati Halder ( United world School of Law, Karnawati University, Ahmedabad ) and managing Director, Center for Cyber Victim Counseling, Dr. Karnika Seth, Cyber Law Expert, Supreme Court of India, Dr. Pavan Duggal Cyber expert and Advocate Supreme Court of India. He expressed heartfelt thanks to Dr. Nand Kishore Garg, Founder Chairman and Chief Advisor, Maharaja Agrasen Technical Education Society (MATES) for being a constant source of inspiration and guiding force for everyone. Further he thanked all the hon'ble members and all officer bearers of the MATES managing committee - Shri Vineet Kumar Gupta (Chairman); Shri S.P. Aggarwal (Executive Chairman), Shri Manoj Singhal (Senior Vice Chairman), Vice Chairmen of the Society - Shri Sunder Lal Goel, Shri R.K.Gupta, Shri S.P.Goel, Shri Umesh Kumar Gupta, Shri Kailash Chand Bansal, Shri Jagdish Mittal, Prof. M. L. Goyal (Academics) and Shri S.C. Tayal, Shri T.R. Garg (General Secretary), Shri Mohan Garg (Joint General

Secretary), Shri O. P. Goel (Treasurer), Sh Anand Kumar Gupta (Co-Treasurer), Shri Gaynendra Srivastava (Chief Executive), our Secretaries of the Society – Shri Satish Garg, Shri Gian Chand Aggarwal, Ms. Sangeeta Gupta, Shri Nitin Gupta, Shri Madan Mohan Goel, Shri Rajnish Gupta and Shri Avinash Aggarwal. He thanked advisors MATES Prof Muneesh Kumar, Prof. I. M. Kapahy, Prof N. K. Kakkar and Prof Neelam Sharma, Director, Maharaja Agrasen Institute of Technology & Prof. S. S. Deswal, Dean Academics (MAIT) for lending all the support for organizing the webinar. He showed gratitude to Director General, MAIMS Prof (Dr.) S. K. Garg and Prof. G. P. Govil, Advisor, MATES, Prof. (Dr.) Rajni Malhotra Dhingra, Principal, Department of Law, Prof. Sangeeta Malik, Dean, MAIMS Heads of all departments, faculty, staff, students and Prof. (Dr.) Vinita Gupta and Dr. Shaveta Gagneja Conveners and Co-conveners and the organizing team of the webinar for making this event a huge success.

The day long webinar came to end with paying respect to the mother India with National Anthem.

### **Observations & Conclusions**

Webinar on Gender-Based Violence in Digital Space organized by Maharaja Agrasen Institute of Management Studies in collaboration with National Commission For Women – a one day event with interactive sessions, lectures and case-specific discussions was concluded on a positive note with various observations and over-arching conclusions in hand:

- A better understanding of structural inequalities towards women in digital space.
- Deeper insight into the types of violence in the digital space viz. text based, voice based, image based, and audio-visual based and procedural guidelines, specifically from the lay man point of view.
- It was observed during the interactive session that the general public or lay man ( not related to legal studies) have many basic misconceptions regarding the redressal mechanism
  - However the programme successfully dealt with many of such misconceptions, giving a better understanding and awareness regarding online violence and related laws.
- A deeper awareness was instilled through interactive sessions regarding legal framework and the major laws that protect women rights in India and particularly with regards to online media such as Information and Technology Act, 2000, POCSO Act, indecent representation of women's act, IPC and many more different provisions that protects the rights of women when it comes to sexual or online harassment.
- There was a very strong response rate observed amongst the participants during the sessions and interactions.
- The participants were observed to be very interactive with an active instinct of response.
- The mix of methodologies used with interactive sessions worked out better results for the daylong event, making it more practical, attractive, and result oriented, efficient in output and effective.
- With strong feedbacks received from the participants we plan to chalk out the events
  with many other new methodologies involved making it even more effective results
  and positive innovations suggested for better execution of the desired objectives.

# ORGANIZING COMMITTEE



**Chief Patron** PROF. (DR.) S. K. GARG **DIRECTOR GENERAL MAIMS** 



Patron PROF. (DR.) G. P. GOVIL ADVISOR MATES



PROF. (DR.) RAVI KUMAR GUPTA DIRECTOR MAIMS

## **CULTY COORDINATO**



CONVENOR PROF. (DR.) VINITA GUPTA HOD, DEPARTMENT OF JOURNALISM 8 MASS
COMMUNICATION



DR. SHAVETA GAGNEJA DEPARTMENT OF LAW

# ORGANIZING COMMITTEE











MS. KAMNA VAID ASSISTANT PROF.COMMERCE









MS. PRITI BANSAL ASSISTANT PROF. BUSINESS ADMINISTRATION



DR. CHARU MOHLA









# **ADVISORY COMMIT**



PROF. (DR.) SANGEETA MALIK DEAN, MAIMS



PROF. (DR.) RAJNI MALHOTRA DHINGRA PRINCIPAL, LAW



MR. PRAVEEN KUMAR GUPTA



PROF. (DR.) VIJAY KR. KHURANA HOD, BUSINESS ADMINISTRATION Secretary, IQAC



ADMINISTRATION



DR. LOKESH JINDAL DEPT. OF BUSINESS **ADMINISTRATION** 



DR. UMESH PATHAK DEPT. OF JOURNALISM



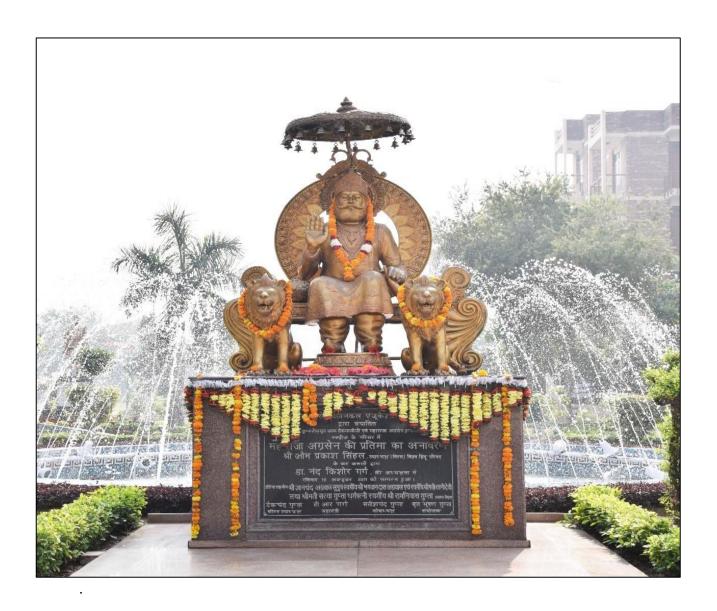
DR. MANJU GUPTA



DEPT, OF COMMERCE HOD, DEPT, OF LAW



DR. MANOJ VERMA



MAIMS was established in 2003 by Maharaja Agrasen Technical Education Society. The Society comprises of a group of educationists, eminent industrialists and people of high status from different walks of life. The Society has got success in establishing institutions of repute in the areas of Management, Law, Engineering and Journalism. The Institute has attained a distinct position in running BBA, B. Com (H), BA (H) Eco, BA (JMC), BALLB (Integrated), and BBALL.B programs affiliated with Guru Gobind Singh Indraprastha University, Delhi. The Institute was granted ISO certification 9001:2015 after meeting the updated requirements of ISO certification. MAIMS has over the years grown into a premier centre of excellence and has made its niche in the areas of teaching, research, consultancy and corporate development

Maharaja Agrasen Institute of Management Studies PSP Area, Plot No. 1, Sector-22, Rohini, Delhi-110086 India Ph. 8448186947 www.maims.ac.in